Baba’s Praise

19/3/2015

- मुझे बुलाते ही हैं पुरानी दुनिया में। गीत है ना-दूरदेश का रहने वाला.......।
- फिर तुम स्वर्ग में जाते हो, जिसकी बाबा स्थापना कराते हैं। बाप खुद उस स्वर्ग में नहीं आते। खुद तो वाणी से परे वानप्रस्थ में जाकर रहते हैं। स्वर्ग में उनकी दरकार नहीं। वह तो दु:ख-सुख से न्यारे हैं ना।
- शिव भगवानुवाच भी है-वह पतित- पावन, लिबरेटर, गाइड है। कृष्ण कोई गाइड नहीं।
- बाप के पास सारा ज्ञान है, तुम्हारे पास भी होना चाहिए।
- बाप तुम बच्चों को सच्ची गीता सुनाते हैं।